NT>

Title: Need to supply electricity at cheaper rates to the consumers particularly in rural areas of the country- Laid.

डॉ0 सुशील कुमार इन्दौरा (सिरसा) : सभापति महोदय, बिजली विकास का आधार है - खेती, उद्योग, खान या फिर सेवा क्षेत्र आज सभी में बिजली की विशेा भूमिका बन चुकी है। इसलिए आज बिजली अति आवश्यक पदार्थो में से एक है। बिजली की उपलब्धता एक ओर आवश्यक है तो दूसरी ओर इसका मूल्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बिजली मिले और वह उस मूल्य पर हो कि उसे खरीदकर उपयोग करना अलाभकारी न हो, तभी बिजली का उपयोग करना संभव हो जायेगा। दभोल बिजली परियोजना का उदाहरण देश के सामने है। मैं सरकार के बिजली क्षेत्र में सुधार करने की इच्छा शक्ति का स्वागत करता हूं, परन्तु इस सुधार में बिजली की उपलब्धता सुगम बनाने, उसकी गुणवत्ता बनाये रखने और उसकी कीमत देश के आम आदमी की खरीद की पहुंच में बनाये रखने को शामिल करना आवश्यक है। आज देश के ग्रामीण अंचलों में लगभग 86 प्रतिशत गांवों में विद्युतीकरण है, किंतु गांवों के घरों में बिजली मात्र 30 से 36 प्रतिशत तक ही है क्योंकि ग्रामीण बिजली का उपयोग मूल्य के कारण नहीं कर पा रहे हैं। गत् 1997-98 से 2001-2002 के दौरान राज्य बिजली बोर्डों की बिजली की कीमतें 2.40 रूपया प्रति युनिट से 3.50 रूपया प्रति युनिट पहुंच गई है। लगातार बिजली के मूल्यों में वृद्धि बिजली के उपयोग को प्रभावित करेगी और यदि उपयोग प्रभावित हुआ तो देश की तरक्की लक्ष्यानुसार संभव नहीं है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि बिजली के क्षेत्र में कार्यकुशलता बढ़ाने, भ्रटाचार मिटाने और बिजली की निरर्थक हानि को रोकने के लिए कारगर कदम उठाये और बिजली के उपभोक्ता विक्रय मूल्य को बढ़ने से अविलम्ब रोके।